
Q. Explain the key roles and responsibilities of the Reserve Bank of India (RBI) Governor in maintaining economic stability.

The Governor of the Reserve Bank of India (RBI) is a pivotal figure in the Indian financial system, responsible for shaping monetary policy, regulating financial institutions, and ensuring economic stability. This role encompasses a range of duties, from managing inflation and currency issuance to advising the government on fiscal matters.

Roles and Responsibilities of the RBI Governor

1. Formulating and Implementing Monetary Policy

- a. The RBI Governor chairs the Monetary Policy Committee (MPC), tasked with setting benchmark interest rates to manage inflation and growth.

2. Implementation of the Fiscal Responsibility and Budget Management (FRBM) Act

- a. The Governor advises on fiscal discipline in line with the FRBM Act, ensuring the government adheres to fiscal deficit targets.

3. Regulating and Supervising the Banking Sector

- a. The Governor oversees the regulation of banks, NBFCs, and other financial entities to ensure systemic stability. Initiatives such as Prompt Corrective Action (PCA) portray the importance of the Governor's leadership to address weak financial institutions.

4. Currency Management

- a. Managing the issuance of currency and maintaining public confidence in the Indian Rupee.

5. Financial Inclusion and Development Initiatives

- a. The Governor ensures credit availability to priority sectors like agriculture, MSMEs, and rural industries.

6. Crisis Management

- a. He acts as the primary decision-maker during economic and financial crises.

7. Advisory Role to the Government

- a. He provides expert advice to the Central and State Governments on fiscal and monetary policies, ensuring cohesive economic planning.

8. Promoting Technological Advancements

- a. He encourages innovation in the financial sector through the adoption of new technologies.

However, the RBI Governor faces several significant challenges in managing the Indian economy. Balancing inflation control with economic growth remains a critical task, as seen during the post-pandemic period when inflationary pressures from disrupted global supply chains required calibrated policy responses. Geopolitical and economic uncertainties, such as the Russia-Ukraine conflict and volatile crude oil prices, have posed external shocks that demand strategic crisis management. Ensuring financial stability is another key challenge, involving the resolution of non-performing assets (NPAs) and safeguarding the banking sector. With increasing economic complexities, the role necessitates adaptability, collaboration with the government, and a vision for inclusive growth.

प्रश्न: आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर की प्रमुख भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की व्याख्या करें।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) का गवर्नर भारतीय वित्तीय प्रणाली में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति है, जो मौद्रिक नीति को आकार देने, वित्तीय संस्थानों को विनियमित करने और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है। इस भूमिका में मुद्रास्फीति और मुद्रा जारी करने से लेकर राजकोषीय मामलों पर सरकार को सलाह देने तक कई तरह के कर्तव्य शामिल हैं।

आरबीआई गवर्नर की भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ

- 1. मौद्रिक नीति तैयार कर उसे लागू करना**
 - a. आरबीआई गवर्नर मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अध्यक्षता करता है, जिसका काम मुद्रास्फीति और विकास को प्रबंधित करने के लिए बेंचमार्क ब्याज दरें निर्धारित करना है।
- 2. राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम का कार्यान्वयन**
 - a. गवर्नर एफआरबीएम अधिनियम के अनुरूप राजकोषीय अनुशासन पर सलाह देता है एवं साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्यों का पालन करे।
- 3. बैंकिंग क्षेत्र का विनियमन और पर्यवेक्षण**
 - a. गवर्नर प्रणालीगत स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बैंकों, एनबीएफसी और अन्य वित्तीय संस्थाओं के विनियमन की देखरेख करता है। त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) जैसी पहल कमजोर वित्तीय संस्थानों को संबोधित करने के लिए गवर्नर के नेतृत्व के महत्व को दर्शाती है।
- 4. मुद्रा प्रबंधन**
 - a. मुद्रा संबंधित प्रबंधन और भारतीय रुपये में जनता का विश्वास बनाए रखना।
- 5. वित्तीय समावेशन और विकास पहल**
 - a. गवर्नर कृषि, एमएसएमई और ग्रामीण उद्योगों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को ऋण उपलब्धता सुनिश्चित करता है।
- 6. संकट प्रबंधन**
 - a. वह आर्थिक और वित्तीय संकटों के दौरान प्राथमिक निर्णयकर्ता के रूप में कार्य करता है।
- 7. सरकार के लिए सलाहकार की भूमिका**
 - a. वह केंद्र और राज्य सरकारों को राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों पर विशेषज्ञ सलाह प्रदान करता है, जिससे समेकित आर्थिक नियोजन सुनिश्चित होता है।
- 8. तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देना**
 - a. वह नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के माध्यम से वित्तीय क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करता है।

हालांकि, भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रबंधन में आरबीआई गवर्नर को कई महत्वपूर्ण चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। आर्थिक विकास के साथ मुद्रास्फीति नियंत्रण को संतुलित करना एक महत्वपूर्ण चुनौती बना हुआ है, जैसा कि महामारी के बाद देखा गया था जब बाधित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से मुद्रास्फीति के दबावों को कैलिब्रेटेड नीति प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता थी। भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं, जैसे कि रूस-यूक्रेन संघर्ष और अस्थिर कच्चे तेल की कीमतों ने बाहरी झटके दिए हैं जो रणनीतिक संकट प्रबंधन की मांग करते हैं। वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना एक और महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है, जिसमें गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) का समाधान और बैंकिंग क्षेत्र की सुरक्षा शामिल है। बढ़ती आर्थिक जटिलताओं के साथ, भूमिका के लिए अनुकूलनशीलता, सरकार के साथ सहयोग और समावेशी विकास के लिए एक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।